IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 4, December 2023

नई शिक्षा नीति और उसके दृष्टिकोण को लागू करने में छात्रों के लिए चुनौतियाँ

डॉ. माधवी मार्डीकर[1] and डॉ. सुनील शिवप्रसाद कापगते[2]

डायरेक्टर ऑफ फिजिकल एज्युकेशन, वैनगंगा कॉलेज ऑफ फिजिकल एज्युकेशन, फिजिकल एज्युकेशन अँड कॉर्डिनेटर, साकोली, जि. भंडारा[1]

सहायक प्राध्यापक, इन्स्टिट्यूट ऑफ सायन्स, नागपुर[2]

अमूतः– छात्रों को अक्सर अपनी शैक्षणिक शिक्षा को अपनी एथलेटिक गतिविधियों के साथ एकीकृत करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति छात्रों के समग्र विकास में खेलों के महत्व को पहचानती है और संस्थानों को खेल शिक्षा के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करती है। हालाँकि,इन छात्रों को अभी भी अपने समय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और शैक्षणिक प्रतिबद्धताओं के साथ कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम को संतुलित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इससे तनाव का स्तर बढ़ सकता है, असाइनमेंट अधूरे रह सकते हैं और पाठ्यक्रम पूरा करने में कठिनाइयाँ हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगिताओं और टूर्नामेंटों के लिए व्यापक यात्रा से शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है,जिससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। खेल छात्रों का समर्थन करने के लिए, शैक्षणिक संस्थानों को लचीली उपस्थिति नीतियों, वैकल्पिक शिक्षण विधियों और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समर्पित सहायता प्रणालियों को लागू करने पर विचार करना चाहिए। इन चुनौतियों का समाधान करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति खेल छात्रों के समग्र विकास को बेहतर ढंग से बढ़ावा दे सकती है

मुख्य शब्दः– खेल छात्र,राष्ट्रीय शिक्षा नीति,चुनौतियाँ और समग्र विकास